ये अव्यक्त इशारे

स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा योग की शक्तियों का प्रयोग करो

5-10-2025

मन्सा शक्ति का दर्पण है - बोल और कर्म। चाहे अज्ञानी आत्मायें, चाहे ज्ञानी आत्मायें - दोनों के सम्बन्ध-सम्पर्क में बोल और कर्म शुभ-भावना, शुभ-कामना वाले हों। जिसकी मन्सा शक्तिशाली वा शुभ होगी उसकी वाचा और कर्मणा स्वतः ही शक्तिशाली शुद्ध होगी, शुभ-भावना वाली होगी। मन्सा शक्तिशाली अर्थात् याद की शक्ति श्रेष्ठ होगी, शक्तिशाली होगी, सहजयोगी होंगे।

Experiment on yourself and others with your mind with the powers of yoga.

The mirror of the power of the mind is your words and actions. Whether it is souls without this knowledge or souls who have this knowledge, when in a relationship or connection with either of them, let your words and actions be full of good wishes and pure feelings. Those who have pure and powerful minds will automatically have pure and powerful words and actions. When you have a powerful mind, it means the power of your remembrance will be elevated and powerful and you will be an easy yogi.